हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 6 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कांक्रीट सड़क निर्माण कराया जाए

भुआबिछिया। जनपद पंचायत बिछिया की ग्राम पंचायत लपटी के पोषक ग्राम भोंदा में मुख्य मार्ग (गांव के अंदर) से बरिहा तिराहा तक अत्यंत खस्ताहाल सड़क है, जिसमें पैदल चलना भी मुश्किल है, एम्बुलेंस भी गांव के अंदर नहीं जा पाती है बारिश के समय में स्कूली बच्चे कीचड़ के कारण स्कूल नहीं जा पाते है यह सड़क लगभग डेढ़ किमी लम्बी है जिसे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनाया जाना चाहिए क्योंकि इतनी लंबी सड़क ग्राम पंचायत के खर्च दायरे से बाहर होगी। इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की गई किंतु आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से जल्द से जल्द कंक्रीट सड़क निर्माण की मांग की है।

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सह प्रेसवार्ता में जिले के पत्रकार आमंत्रित

मण्डला। अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 के निर्धारित कार्यक्रमानुसार सभी मतदान केन्द्रों में 6 जनवरी 2025 को अंतिम प्रकाशन किया जावेगा। इसके उपलक्ष्य में जिला योजना भवन मण्डला के सभाकक्ष में 6 जनवरी 2025 को अपरान्ह 3:30 बजे से स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सह प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में जिले के सभी पत्रकार सादर आमंत्रित हैं।

वृक्षारोपण के नाम पर एन.पी.व्ही. (कैंपा) मद का किया बंदर-बांट

वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों की खेली होली

*** वन विभाग के प्रति ग्रामीणजनों में पनप रहा विरोध।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

एक तरफ सरकार जहां पर्यावरण का संतुलन बनाने, वनों का संवर्धन करने, वन्यजीव आवास की गुणवत्ता में सुधार और पारिस्थितिक तंत्र सुधारने के लिए करोड़ों रुपए वृक्षारोपण के नाम पर पानी की तरह बहाए जा रही है।वही दूसरी तरफ वन विभाग के आला अधिकारी वृक्षारोपण के नाम पर सासन की राशि का जमकर दुरुपयोग किए जा रहे है और सासन की योजनाओं का जमकर बंदर-बांट किए जा रहे है। ऐसा ही

एक मामला वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई के मड़फा वृत अंतर्गत खड़देवरी बीट के कक्ष क्रमांक 1259 में आया। जहां वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में एन.पी.व्ही. (कैंपा) मद से 40 हेक्टेयर क्षेत्र मे मिश्रित वृक्षा रोपड़ कार्य स्वीकृत हुआ था। लाखों की लागत से 100 एकड़ क्षेत्रफल में वृक्षा रोपण कार्य कराया गया जहां वर्तमान में सिर्फ घास दिखाई दे रही है। खडदेवरी बीट के कक्ष क्रमांक 1259 में वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में एन.पी.व्ही. (कैंपा) मद से 40 हेक्टेयर में वृक्षा रोपण के नाम पर आला अधिकारियों के सह पर डिप्टी रेंजर ने शासन की लाखों रुपए की राशि की होली खेल ली। सम्पूर्ण वृक्षा रोपित क्षेत्र में अभी सिर्फ खाली मैदान और घास ही दिखाई दे रहे है। वही कार्यस्थल पर लगे कार्य स्वीकृति बोर्ड से संबंधित कार्य की राशि और पौधो की संख्या नदारद है। जिसकी जानकारी विभाग के द्वारा छुपाई जा रही है।

मिश्रित वृक्षारोपण के नाम स्थानीय पौधों का कर दिया रोपण

ग्रामीणजनों का कहना शासन के लाखों रुपए की होली खेल मडफा वृत में पदस्त डिप्टी रेंजर ने स्थानीय पौधों का रोपण कर दिया गया जबकि शासन का लक्ष लाखों का खर्च खाली पड़े मैदान को वन में तब्दील करना था लेकिन इसके विपरीत यहां मिश्रित वृक्षारोपण के नाम पर आम और बांस के गिने-चुने पौधे ही दिखाई दे रहे है। जबकि वनचाल क्षेत्र मवई में आम के पौधे बिना संरक्षण मात्र बीज फेक देने में पौधा और पौधा से पेड़ बन जाता।

अलग अलग कार्य के नाम वृक्षारोपण क्षेत्र में शासन के करोड़ों हो गए खर्च

वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई के मड़फा वृत अंतर्गत खड़देवरी बीट के कक्ष क्रमांक 1259 में वृक्षारोपण के नाम पर शासन की करोड़ों रुपए की बंदर-बांट डिप्टी रेंजर वृत मडफा के द्वारा कर दिया गया लाखों रुपए तो वृक्षारोपण के नाम से शासन को चुना लगा दिया फिर उस वृक्षारोपण को संरक्षित करने के नाम से कई लाख रुपए फेंसिंग के नाम पे पार हो गए उसके बाद बार बार स्थानीय ग्रामीण जनों द्वारा ग्राम में तालाब निर्माण की मांग की गई जिसे ग्रामीण को बिना भनक डिप्टी रेंजर के द्वारा जेसीबी मशीनों से वृक्षारोपण क्षेत्र के भीतर ही तालाब का निर्माण करवा दिया गया। मड़फा वृत में पदस्त डिप्टी रेंजर के इस अड़ियल रवैए से ग्रामीण जनों में खासा विरोध वन विभाग के प्रति पनपने लगा है।

शिकायत के बाद भी नहीं होती जांच

वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई मैं वन विभाग के आला अधिकारियों के द्वारा वृक्षारोपण और अन्य कार्यो के नाम पर शासन की राशि का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। जहां कुछ दिन पहले ही मवई रेंज के सारसडोली बीट के कक्ष क्रमांक 1179 में बिगड़े वनों के सुधार के नाम पर लाखों की राशि का बंटर-बांट किया गया था और ऐसा ही मामला मवई रेंज के मड़फा वृत्त के अंतर्गत खड़देवरी बीट के कक्ष क्रमांक 1259 में आया जहां डिप्टी रेंजर के द्वारा एन.पी.व्ही. (केंपा) माद की राशि का वृक्षारोपण के नाम पर बंटाधार कर दिया गया लेकिन जिले मैं बैठे आलाधिकारियों को इसकी भनक तक नही और न ही जिले के अधिकारियों के द्वारा कोई जांच की जा रही है जिससे शासन की राशि का दुरुपयोग कर रहे अधिकारियों के हौसले बुलंद है।

पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बड़ादेव पेनठाना में सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने शनिवार को देवनगर बड़ादेव पेनठाना स्थापना के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने पेनठाना में पूजा-अर्चना कर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने आयोजित कार्यक्रम में गोंड़ी भाषा, आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इतिहास, वीरगाथा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति, गोंड़ी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण का प्रतीक है, जो हमारे आदिवासी समाज के समृद्ध संस्कृति और विरासत को सहेजकर रखा है। बड़ादेव पेनठाना स्थापना के अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री नीरज मरकाम, गोंड़ी धर्माचार्य सहित श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रविवार को माहिष्मती घाट का निरीक्षण किया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रविवार को नर्मदा नदी के माहिष्मती घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि माहिष्मती घाट में साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था कायम रखा जाए। माहिष्मती घाट में स्नान के दौरान साबुन का प्रयोग न करने और गंदे कपड़े न धोने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने इस अवसर पर माहिष्मती घाट में प्लास्टिक या पन्नी का उपयोग न करने को कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा की सेवा करने से पुण्य मिलता है

*** पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने एक करोड़ की लागत से माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के कार्यों का शुभारंभ किया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा नदी को प्रणाम करते हुए कहा कि माँ नर्मदा जी की सेवा करने से सभी को पुण्य लाभ मिलता है। माहिष्मती घाट में एक करोड़ की लागत से लाल बलुआ पत्थरों से घाटों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि माहिष्मती घाट का नामकरण और एक ट्रस्ट का निर्माण कर कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। माहिष्मती घाट में ग्वारीघाट और प्रयागराज की तरह पंचचौकी महाआरती प्रारंभ की गई है। पंचचौकी महाआरती में जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारीगण, पत्रकार, श्रद्धालु और नागरिकगण प्रतिदिन पंचचौकी महाआरती कर रहे हैं। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रविवार को एक करोड़ की लागत से प्रारंभ किए गए माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका मण्डला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगरपालिका मंडला उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष शिव रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत सदस्य सभापति (संचार एवं संकर्म) श्री शैलेष मिश्रा ने माँ नर्मदा नदी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े, प्रफुल मिश्रा, सुश्री शशि पटेल, श्रीमती गीता चौबे, नरेश कछवाहा, उमाशंकर सिंधिया सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकारगण और श्रद्धालुजन उपस्थित थे। पंचचौकी महाआरती का आयोजन स्थल अमृता चौक, रेवा चौक, नर्मदा चौक, शांकरी चौक और मेकलसुता चौक का बलुआ पत्थरों से सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि माँ नर्मदा नदी की सेवाभाव से काम करने से पुण्य प्राप्त होता है।

पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने माहिष्मती घाट में महाकुंभ प्रयागराज में संतों का समागम रंगोली का अवलोकन किया

मण्डला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नर्मदा नदी के माहिष्मती घाट में महाकुंभ प्रयागराज में संतों का समागम माहिष्मती घाट मण्डला की रंगोली का अवलोकन किया। प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ का मण्डला जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। माहिष्मती घाट में रंगोली के अवलोकन के दौरान नगरपालिका मण्डला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगरपालिका मण्डला उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष शिव रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत सदस्य सभापति (संचार एवं संकर्म) शैलेष मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े, प्रफुल मिश्रा, सुश्री शशि पटेल, श्रीमती गीता चौबे, नरेश कछवाहा, उमाशंकर सिंधिया सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकारगण और श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

आस्था | **सौभाग्य से मिलता है माँ नर्मदा की परिक्रमा का अवसर।**

परिक्रमावासियों ने लगाए माँ नर्मदा जयकारें

*** प्रदेश अध्यक्ष ने बांटे गर्म कपड़े।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

बढ़ती ठंड को देख परिक्रमावासियों को कंबल और मौजे वितरण करते हुए भोजन कराया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिव तिवारी परिवार सहित पहुंचे और उन्होंने घाघा मार्ग में परिक्रमा कर रहे नर्मदा भक्तों से मुलाकात करते हुए उन्हें सामग्री सौंपी। इसी के साथ महाराजपुर संगम घाट स्थित संत दीपक दास जी महाराज के आश्रम में परिक्रमावासियों से मुलाकात करते हुए उन्हें कंबल मौजे देते हुए भोजन परोसा इस दौरान आश्रम के सेवादार आशीष वैष्णव ने बताया कि इस आश्रम में हर दिन परिक्रमावासियों को निःशुल्क भोजन परोसा जाता है। यहां पर हर दिन एक सैकड़ा से अधिक परिक्रमावासी आ रहे है जिन्हें दाल चावल सब्जी रोटी परोसी जाती है। उन्होंने कहा कि संत दीपक दास जी महाराज के विशेष दिशा निर्देश पर यह जनकल्याणी काम किया जा रहा है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वे विगत कई वर्षो से ठंड के दिनों में परिक्रमावासियों को गर्म कपड़े वितरण करते हैं। वहीं गर्मी के दिनों में परिक्रमावासियों को जूता चप्पल उपलब्ध कराते हैं उन्होंने कहा कि विगत पांच सालों से वे मण्डला आ रहे हैं पिछले साल उन्होंने देवगांव संगम स्थल में परिक्रमावासियों को सामग्री भेंट की थी। उन्होंने कहा कि नर्मदा के हर रूप को देखा व महसूस किया जा सकता है। नर्मदा को वैसे तो लोग धार्मिक व आध्यात्मिक दृष्टि से ही देखते हैं लेकिन इसे करीब से जानने वाले विज्ञान और जल धाराओं के संघर्ष को जोड़कर जीवंत पाठशाला के रूप में जानते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से जहां ये मनमोहनी लगती है वहीं खतरनाक परिस्थितियों में भी अपने वेग को शांत रखकर आगे बढ़ने के लिए ये मन को शांत रखने का संदेश भी देती है। अमरकंटक की नर्मदा भरूच तक अपने साथ कई रंग, संस्कृति और संस्कारों की शिक्षा भी देती है। बताया कि क्यों मां नर्मदा ने कभी उत्तर दिशा और कभी दक्षिण दिशा की ओर प्रवाह किया। इसके आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारणों को भी उन्होंने विस्तार से बताया। पूरे नर्मदा क्षेत्र में 3 स्थान ऐसे हैं जहां माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी हुई हैं, इनमें से एक गुजरात प्रदेश में तिलकवाड़ा, दूसरा क्षेत्र मण्डला और तीसरा ओमकारेश्वर के पास का स्थान है जो कि अब बांध बन जाने से डूब क्षेत्र में आकर विलोपित हो गया है। नर्मदा परिक्रमा को लेकर शास्त्रों में एक प्रावधान यह भी किया गया है कि जो कोई भी मां नर्मदा की परिक्रमा किसी कारणवश चाहते हुए भी न कर पा रहा हो तो वह व्यक्ति उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा कर इस पुण्य लाभ को प्राप्त कर सकता है। यह जिलेवासियों का सौभाग्य है कि माँ नर्मदा जिले को तीन ओर से घेरते हुए मण्डला से कल-कल करती आगे बढ़ रही है। इसी के साथ जिले में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा तट भी स्थित है। जिससे नर्मदा नगरी का महत्व और बढ़ जाता है। अमरकंटक से माँ नर्मदा का उद्गम होता है और खंबात की खाड़ी तक मां नर्मदा प्रवाहित होती है, इस पूरे मार्ग में तीन स्थान ऐसे हैं जहां मां रेवा उत्तर दिशा में प्रवाहित हुई हैं। जहां-जहां माँ नर्मदा उत्तर दिशा में प्रवाहित हुई उतने क्षेत्र की परिक्रमा करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है और यह परिक्रमा वर्ष में सिर्फ एक माह में ही की जाती है वह है चैत्र का माह। इस दौरान परिक्रमावासियों ने माँ नर्मदा के जयकारें में भी लगाए।

मण्डला के निशार कुरैशी ने भोपाल में मधुमक्खी पालन कार्यशाला में समस्या एवं बजट की ओर ध्यान आकर्षित कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 04 जनवरी 2025 को सायाजी होटल भोपाल में एक दिवसीय मधुमक्खी पालन एवं वन शहद में उदमीता के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन PHDCCI के द्वारा आयोजित की गई जिसमे मध्यप्रदेश के FPO एवं अलग अलग संस्थाओं से लोगो ने सहभागिता की। मण्डला जिला से नाबार्ड के देबव्रत पाल के सहयोग से सेंटर ऑफ़ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट [CDVD] संस्था मण्डला से श्री निशार कुरैशी एवं पुरषोत्तम उइके ने सहभागिता की।

शहद उत्पादन में रोजगार की सम्भावना विषय का उद्घाटन वक्तव्य अनिरुद्ध दुबे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नाबार्ड भोपाल के CGM के द्वारा नाबार्ड की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया और कहा गया कि जो लोग वाइल्ड हनी पर कार्य कर रहे है वे मधुमक्खी पालन के कार्य में भी आगे आये। हार्टिकल्चर के डिप्टीडारेक्टर द्वारा शासन की योजना और सबसीडी के बारे में बताया गया।

मण्डला से गये निशार कुरैशी ने अपने वक्तव्य में कहा कि, मधुंक्खी पालन से लाभ के साथ साथ उसकी समस्या एवं शहद के मूल्य पर भी चर्चा होनी चाहिए। विभागों को जो बजट दिया जाता है उसमे प्रशिक्षण, टूल किट एवं शहद निकासी मशीन का बजट नहीं होता है जिसके बिना मधुमक्खी पालन कार्य अधुरा रह जायेगा और संबंधित विभागों को भी जिला स्तर पर मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि विभाग के माध्यम से इस क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध हो सके।विन्ध्य हर्बल भोपाल से आई श्रीमती सुमन जी ने बताया की लेब रिपोर्ट में क्या क्या जाँच की जाती है और फिल्ड में ट्राईफेड एवं वन विभाग के द्वारा शहद संग्रहण का प्रशिक्षण दिया जाता है।

इन्दोर से आये मधुमक्खी पलक दीपक बघेल ने मधुमक्खी के बारे में बताया। इस अवसर पर पतंजलि से आये प्रवक्ता ने शहद संग्रहण एवं शहद के प्रकार के बारे में बताया। अन्य वक्ताओं में श्री मनोज मोदी, सुमित अग्रवाल, अनुज गर्ग रवं मनोज मेश्राम ने अपने विचार रखे एवं लोगो को मधुमक्खी पालन के कार्य में आगे आने को कहा।

प्रवीण रघुवंशी के द्वारा मधुक्रान्ति पोर्टल पर पंजीयन की जानकारी दी। आयुष विभाग, वन विभाग एवं कृषि विभाग के प्रवक्ताओं ने अपनी बात रखी।

खबर संक्षेप

निःशुल्क उपचार शविर में 134 मरीजों को मिला लाभ

गाडरवारा। मानव सेवा समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये। हर माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में पूर्णरूप से निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। इस तरह नये साल के पहले रविवार को आयोजित किये गये समिति के 65 वें उपचार शिविर में 4 शहरों के साथ साथ 16 गावों के लगभग 134 मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार करवाया गया। वही इस दौरान युवाओं द्वारा सभी मरीजों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये दबाईयों का वितरण भी पूर्णरूप से निःशुल्क कागजों के पैकिटों में प्रदान किया गया। बताया जाता है कि मेडीकल कैम्प में मरीजों का उपचार करते हुये जाने माने महिला डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डा, संजय मोदी, डा,मनीष महोबिया, डा,अरूण दोहरे के अलावा सहयोगी राहुल गोस्वामी, प्रशांत सोनी, शैलेन्द्र परिहार सहित शिव स्व सहायता समूह कि सदस्यों एवं ग्राम कान्हरगांव के मानव सेवा समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान की गई। वही आयोजित किये गये इस मेडीकल कैम्प में सोभापुर, सुहागपुर, नांदना,बाड़ी बरेली, चामचौन, सूखाखेरी, पलोहा बड़ा, धनौरा, भूतखेड़ा,सैठान, कोड़िया, खुर्शीपार, चीचली, दहलबाड़ा, इमलिया, पिपरिया, गाडरवारा, महगवां कला ,कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीजों ने पहुंचकर लाभ लिया।

रहवासी क्षेत्रों में रात भर होने वाली ठोका पीटी पर नहीं लग रही रोक

गाडरवारा। जहां एक ओर मा. न्यायालय द्वारा रात 10 बजे के बाद सभी प्रकार के ध्वनियंत्रों पर रोक लगा रखी है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर के मध्य व रहवासी क्षेत्र में जहां तहां खुले वार्क शांप सहित अन्य लोहे का सामन बनाने वाले तथा कथित कारखाने नुमा दुकानों पर रात रात भर लोह के समान की ठोका पीटी होने के कारण लोगों को जहां रात में सोने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वही दूसरी इन दुकानों पर लोहे की ठोक पीट के चलते घरों में वृद्व मरीज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के मध्य अनेक जगहों पर लोहे की ट्राली सहित अन्य वस्तुओं का रात रात भर निर्माण करते हुए जमकर ठोक पीट की जाती रहती है, जिसके चलते आसपास के क्षेत्र में निवास करने वाले लोग सो नही पा रहे है, इस प्रकार से रात भर ध्वनि करने वालों के खिलाफ न तो प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही पुलिस प्रशासन जिसके चलते इनक हौसले बुलंद बताये जा रहे है? जिसका उदाहरण इस समय के अंदर संचालित हो रहे अनेक वर्कशांपों देखने मिल रहा है, जहां पर बताया जाता है कि नगर के रहवासी इलाको में रात रात भर लोहे की ठोक पीट होती रहती है, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है? वही जानकारो के अनुसार बताया जाता है कि इस प्रकार के लोहे से बनने वाले सामन की दुकान व वर्क शांप नगर के अंदर वह रहवासी क्षेत्रों में स्थापित नही किये जा सकते है? फिर भी नगर में प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां तहां बैलडिंग मशीन चल रही है, वही लोहे से बनने वाले समान की दुकाने जिसके कारण नगरवासियों का परेशान होना पड़ रहा है।

बुनियादी सुविधाएं न मिलने से खिलाड़ी निराश

गाडरवारा। सर्दी का मौसम में क्रिकेट, बालीवाल हाकी तथा अन्य तरह के खेलों में रूचि रखने वाले युवाओं, किशोरों व बच्चों के लिए उपयुक्त रहता है, किन्तु इन दिनों जब सुबह ठंड पड़ने लगती है तब कही भी खेल प्रतिभाएं अपना प्रदर्शन करती नजर नही आ रही है, जिसका मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि खिलाड़ियों को जो जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए उनसे वह बंचित नजर आ रहे है।

ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन कृषि कार्य के नाम पर और व्यावसायिक रूप से उपयोग करते हुये ढो रहे है रेत मिट्टी सहित अनेक प्रकार की सामग्री, वाहन चैकिंग के नाम पर प्रशासन की चालानी कार्यवाही पर खड़े हो रहे सवाल .....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कहने के लिये तो यातायात पुलिस द्वारा आये दिन जहां तहां नाके लगाते हुये वाहनों की चैकिंग करते हुये देखा जाता है। मगर जिस तरह निम विरूद्व दौरान वलों वाहनों को नजर अंदाज करते हुये वाहन चौकिंग के नाम पर औपचारिकता निभाई जाती है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूकती है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर सहित क्षेत्र की सड़को पर जिस तरह ट्रेक्टर ट्रालियों का व्यावसायिक रूप से उपयोग करते हुये रेत, गिट्टी व मिट्टी भरकर ट्रेक्टर ट्रालियों को भर्राटे मारते हुये देखा जा रहा है वह पूर्ण रूप से नियमों के विपररित होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से कोई ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि आये दिन सड़क दुर्घटनाये घटित होना आम बात बनती चली जा रही है? क्योंकि जब किसी भी व्यक्ति द्वारा अपना ट्रेक्टर ट्राली खरीदी जाती है तो उसके द्वारा आर टी ओ विभाग में कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इसलिये कराया जाता है कि उसमें टेक्स के रूप में कम राशि भरनी पड़ती है। मगर कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इन ट्रेक्टर ट्रालियों का खुलेआम व्यावसायिक रूप से उपयोग होने के बाद भी कार्यवाही न होना निश्चित ही अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करने से नही चूकता है? बताया जाता है कि कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत इन ट्रेक्टर ट्रालियों कास नगर सहित क्षेत्र में व्यावसायिक उपयोग धडल्ले से किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते जहां शासन को लाखों रूपया में टैक्स के रूप में राजस्व की हानी हो रही है तो दूसरी ओर दुर्घटनाये होने पर लोगो को क्लेम लेने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि इन ट्रेक्टरों का परिवहन विभाग में पंजीय कृषि कार्य के उपयोग के नाम पर रहता है मगर इसके बाद भी इन ट्रेक्टर ट्रालियों में खुलेआम व्यावसायिक रूप से हो रहे दुरूपयोग को लेकर शायद ही किसी अधिकारी द्वारा इस ओर ध्यान देते हुये कभी रेत, गिट्टी या फिर मिट्टी ढोने वाले ट्रेक्टर ट्राली को पकड़ते हुये इस सच्चाई को जानने का प्रयास किया गया हो कि उसका पंजीयन किस कार्य के लिये है? बताया जाता है कि जब ट्रेक्टर ट्राली को कृषि कार्य के नाम पर लिये जाते है तो उसमें कृषकों के नाम अनुदान भी प्राप्त होता है और ऐसे वाहनों से लोग कृषि कार्य न करते हुये व्यावसायिक धंधा मुख्य रूप से रेत, गिट्टी, सहित माल वाहन के रूप में उपयोग करते हुये देखे जा रहे है। बताया जाता है कि ट्रेक्टर ट्रालियो में सिंग्नल न होने तथा अनेक ट्रेक्टरों में मात्र एक ही लाईट जलाने के साथ साथ इन्हे जिस तेज गति से दौड़ाया जाता है कि रोत के समय सड़क दुर्घटनाओं को अंजाम देने से नही चूकते है। नियम के अनुसार बताया जाता है कि खेती किसानी का काम करने वाले किसानों द्वारा ट्रेक्टर ट्राली खरीदने पर शासन ने उन्हे कर मुक्त की श्रेणी में रखा गया है? अगर कोई व्यक्ति ट्रेक्टर ट्राली खरीदकर उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहा है तो उसे ट्रेक्टर ट्राली का अलग अलग पंजीयन करना होता है। इसके लिये परिवहन विभाग में बतौर पंजीयन प्रत्येक दो साल बाद पंजीय का रिन्युअल करना जरूरी होता है। इसी के चलते लोगों द्वारा खरीदे गये ट्रेक्टर ट्रालियों का पंजीयन मात्र कृषि कार्यो के नाम पर कराते हुये उनका दुरूपयोग करने से नही चूक रहे है। जबकि नियम के अनुसार यदि किसी ट्रेक्टर ट्राली का पंजीयन कृषि कार्य के नाम पर हुआ है तो उसका उपयोग सिर्फ खेती किसानी से जुडे हुये कार्य में ही किया जा सकता है। मगर संबंधित विभाग तथा स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम है कि क्षेत्र में कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इन ट्रेक्टर ट्रालियों का उपयोग कृषि कार्यो में नाम मात्र तथा व्यावसासिक कार्यो में अधिक होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते जहां क्षेत्र में घटित होने वाही सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मामले इस तरह व्यावसायिक धंधे में लगे हुये इन ट्रेक्टर ट्रालियों का परिणाम देखने मिलते है तो दूसरी ओर इससे परिवहन विभाग को हर माह लाखों रूपया के रूप में टैक्स रूपी राजस्व की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? इतना ही नही इस तरह कमर्शियल रूप से उपयोग होने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर के शासकीय चिकित्सालय मार्ग हो या फिर अन्य मार्ग पर मिट्टी लेकर जिस तरह नाबांलिगों द्वारा उन्हें तेज गति से तरह दौड़ाया जाता है कि मानो यहां पर कोई प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा हो.....? बताया जाता है कि शहर में मिट्टी ढोने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों का नियम होता है कि जो ट्रेक्टर ट्राली अधिक चक्कर लगाते हुये मिट्टी डालेगा उसे अधिक पैसा मिलेगे। क्योंकि मिट्टी ढोने वाले ट्रेक्टर ट्रालियों के लिये राउंड के हिसाब से भुगतान किया जाता है इसी के चलते यह इन ट्रेक्टरों के मालिक व चालक दोनों अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये दूसरों की जिन्दगी के साथ खुला खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है। यदि देखा जावे तो शहर की गलियों में फर्राट मारते हुये मिट्टी ढोने वाले इन अधिकांश ट्रेक्टर ट्रालियों को नाबांलिग व बगैर लाईसेंसधारी चालक ही दौड़ाते हुये देखे जाते है? कभी भी तो स्थिति इस तरह से देखने मिलती है कि सड़क पर दौड रहे ट्रेक्टर ट्रालियों के चालकों के एक हाथ में मोबाईल फोन तो दूसरे हाथ में स्टीयरिंग होता है इस सच्चाई से ही अनुमान लगाया जा सकता है कि आखिरकार हर वर्ष पुलिस विभाग द्वारा चलाये जाने वाला सड़क सुरक्षा सप्ताह कहा तक सफल माना जा सकता है।

हूटर लगी गाडियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअदांज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? बही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आब्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है, और जब यह तेज हूटर रात के समय नगर में बजाया जाता है तो सोने वाले लोगों की नीद खराब हो जाती है, मगर धन्य है नगर का पुलिस प्रशासन जो आये दिन दुकानदारों सहित अन्य गरीब मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हे अपनी बर्दी की ताकत दिखाने के लिए तो हड़कता रहता है? मगर जिस प्रकार से लोगों द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अब्हेलना की जा रही है उनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नही करता है।

मादक पदार्थों के खिलाफ नये वर्ष में गाडरवारा को मिली सफलता, आरोपी के पास से स्मैक पावडर किया जप्त

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी डेका के निर्देशन चलाए जा रहे ''ऑपरेशन प्रहार'' के तहत नये वर्ष के प्रथम सप्ताह में गाडरवारा पुलिस ने नशे के विरूद्ध कार्यवाही एक आरोपी के पास से सत्तर हजार रूपया कीमत की स्मैक जप्त करते हुये आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक प्रियंका केवट द्वारा क्षेत्र में जुआ,सट्टा,अवैध मादक पदार्थ के व्यापार,अवैध शराब के कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के साथ गुण्डे एवं बदमाशों की धरपकड़ एवं अपराध तथा अपराधियों पर पूर्णतः नियंत्रण हेतु ऑपरेशन प्रहार चलाते हुये लगातार धरपकड़ की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस नगर निरीक्षक प्रियंका केवट को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की नगर के डगडगा पुल के पास एक युवक कुछ मादक पदार्थ विक्रय करने की जुगाड़ में घूम रहा है। इस सच्चाई को टीआई केवट द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये जाने पर जिला पुलिस अधीक्षक डेका द्वारा आरोपियों को माल सहित गिरफ्तार करने के लिये एक टीम बनाते हुये कार्यवाही के निर्देश दिये गये। इस तरह उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा नगर निरीक्षक प्रियंका केवट में नेतृत्व में बनाई गई इस टीम में मुख्य रूप से मादक पदार्थो के कारोबारियों को पकड़ने में माहिर माने जाने वाले ए एस आई राजेश शर्माद्व प्रधान आरक्षक भास्कार कौरव, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी, रूपेन्द्र चौबे, आरक्षक बाल किशन रघुवंशी बल्लू, दिनेश पटैल, सुजीत बागरी, दीपक राजपूत को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के अनुसार रेल्वे डगडगा पुलिस के पास मरघटा के सामने एक युवक को संदिग्ध स्थिति में खड़ा पाये जाने पर जब उसे पकड़कर पूछता की गई तो युवक द्वारा अपना नाम विशोक पिता धन्नू लाल सराठे उम्र 25 साल निवासी ग्रामू गुनवे हाल निवासी कौड़िया बताया गया। वही जब युवक की तलाशी ली गई तो उसके पास से 7.30 ग्राम स्मैक पावडर पाये जाने पर पुलिस द्वारा आरोपी के पास से स्मैक पावडर जप्त करते हुये एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि जप्त किये गये स्मैक पावडर की कीमत लगभग 70 हजार रूपया आकी जा रही है। इस तरह मादक पदार्थो के खिलाफ चलाई जा रही गाडरवारा पुलिस की मुहिम को लेकर नये वर्ष में यह पहली बड़ी सफलता हाथ लगी है।

दस साल पहले ग्राम बरहटा में हुये मोर के शिकार की घटना को लेकर आज भी आरोपी की खोज में वन विभाग के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज/कौडिया।

क्षेत्र में लगातार उजड़ रहे जंगलों की रक्षा करने में असफल हो रहे वन विभाग के अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम है कि जहां जंगल तो बीरान हो ही रहे है तो दूसरी ओर जंगली जानवरों की जिन्दगी भी अब असुरक्षित महसूस की जाने लगी है? क्योंकि जिस तरह से जंगल क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे शोरगुल के चलते जंगलों में निवास करने वाले जंगली प्राणी अब गांवो की ओर अपना रूख कर रहे है और वह शिकारियों के हाथों बेमौत मरने से नही चूक पाते है। इस तरह वन्य प्राणियों का शिकार करने वाले आरोपियों की खोज करने में वन अधिकारियों की असफलता निश्चित तौर से उरकी उदासीनता की पोल खोजने से नही चूक पा रही है? जिसकी सच्चाई कुछ साल पहले समीपस्थ ग्राम बरहटा में हुये राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार को लेकर देखा जा रहा है। इस तरह राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो 10 साल का लम्बा समय बीत जाने के बाद भी शिकारी की खोज करने में वन विभाग के अधिकारियों के हाथ आज भी खाली के खाली ही नजर आ रहे है..? इस संबंध में बताया जाता है कि लगभग लगभग 10 साल पहले यानि की 4 अगस्त 2014 को गाडरवारा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरहटा बरेली में गांव के पास आये दिन घूमने वाले एक मोर का शिकार इस तरह से किया गया था कि घटना स्थल पर सिर्फ मोर के पंख ही मिले थें...? इस तरह मोर का शिकार होने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मृत मोर के शव का पंचनामा बनाते हुए उसके शव को जप्त किया गया था। वही मौके पर पाये गये मृत मोर का एक पैर टूटा हुआ तथा पंख बिखरे हुये पाये जाने की स्थिति को देखते हुए स्पष्ट लग रहा था कि मोर का शिकार किया गया है तथा आरोपी द्वारा मोर का मांस निकालने के लिए ही उसके धड को सिर से अलग करने के साथ साथ पंख भी छील दिये गये थें..? वही सूचना के आधार पर पहुंची बन विभाग की टीम द्वारा पंचनामा व जप्ती की कार्यवाही करते हुये इस बात का भरोसा दिलाया गया था कि इस तरह राष्ट्रीय पक्षी का शिकार करने वाले आरोपी को किसी भी स्थिति में छोड़ा नही जावेगा...? मगर इस सच्चाई वह घटना को आज लगभग 10 वर्ष से भी अधिक का समय बीत चुका है और आरोपी की खोज में वन विभाग के हाथ दस साल पहले की तरह आज भी खाली के खाली ही नजर आते हुये देखे जा रहे है..? इस प्रकार से वन विभाग की उदासीनता के चलते जहां क्षेत्र का जंगल तो उजड़ ही रहे है साथ ही साथ जंगली जानवरों का शिकार होना भी अब आम बात होती चली जा रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र के जंगल उजड़ रहे है उसकी सच्चाई को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि शायद वन विभाग के अधिकारी जंगल में सिर्फ मंगल मनाने में ही लगे हुए है और इसका परिणाम है कि क्षेत्र के जंगल के जंगलों की सुरक्षा भगवान भरोसे हो चुकी है..? यह बात अलग है कि कागजों की हिसाब से तो जंगल क्षेत्र में अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति बनी हुई है। मगर अप डाऊन प्रवृति के चलते चल रही जंगलों की रखबारी की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन किस तरह से किया जा रहा है यह बात जंगलों में कट रही इमरत लकड़ी व आये दिन वन प्राणियों का हो रहा शिकार अपने आप ही वन अधिकारियों की भूमिका को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है।

लगातार बदहाली की भेंट चढ़ रहा है नगर का सबसे बड़ा तालाब

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जहां एक ओर शासन द्वारा पुराने जल स्त्रोतो को बचाने के लिये मुहिम चलाते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है और पुराने तालाबों को जीर्णोद्वार के साथ साथ हर वर्ष नये तालाबों का निर्माण भी कराये जाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, मगर जिस प्रकार से नगर का सबसे बड़ा तालाब बदहाली का शिकार होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते शासन द्वारा जल स्त्रोतों के बचाने के लिये चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर अपने आप ही प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि नगर का तालाब जहां अपने अस्तित्व में एक इतिहास समेटे हुये है, जिसके चलते इस तालाब को नगर की धरोहर माना जाता है, मगर प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि यह तालाब लगाातार बदहाली का शिकार होने से नही बच पा रहा है, क्योंकि जहां तालाब के चारों ओर अतिक्रमण की बाढ़ के चलते इसका स्वरूप छोटा होने से नही चूक रहा है, वही दूसरी ओर लगातार इस तालाब में गंदगी फैलाये जाने के कारण तालाब की स्थिति दिनों दिन खराब होते हुये दिखाई देने लगी है, यदि समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो वह दिन दूर नही जब इस तालाब के लिये लोग सिर्फ याद ही कर पायेगे और इसके दर्शन दुर्लभ हो जावेगे।

सड़कों पर फैल रहा गंदगी का अम्बार, आमजन का निकलना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय भले ही बारिश का दौर थम चुका है। मगर दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के मुख्य सड़को की सच्चाई देखते हुये वह बारिश के दिन याद आने से नही चूक पा रहे है जब घनघोर बारिश के दौरान वर्षो पूर्व गांवों की सड़को की स्थिति बन जाया करती थी? क्योंकि इस समय नगर परिषद सांईखेड़ा के अंतर्गत सीवरेज प्लांट की स्थापना के लिये जिस प्रकार से नगर के अंदर पाईप लाईन विछाने के लिये एक कंपनी द्वारा नगर के अंदर पक्की मजबूत सड़को की खुदाई करते हुये उन्हें खुला छोड दिया गया है उसके चलते नगर के वार्डो के अंदर लोगों के घरों से निकलने वाला बारह मासी पानी भरने के कारण कीचड़ का साम्राज्य स्थापित हो चुका है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर के अनेक वार्डों सहित मुहल्ला व कालोनियों में सहित आने जाने वाले मार्गो की स्थिति तो इस से देखी जा रही है कि वह पूर्णरूप से दलदल में तब्दील हो जाने के कारण जब किसी के घर में कोई व्यक्ति मृत हो जाता है तो उसे शमशान घाट तक ले जाना बड़ी मुश्किल की बात होने से नही चूक पाती है। यह हाल नगर के अंदर अनेक जगहों पर देखा जा रहा है जहां पर अपनी जरूरी कार्यो से गरीबों का पहुंच पाना मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार ये लगातार विकास से लेकर स्वच्छता का संदेश देने वाली नगर पंचायत की कार्य प्रणाली भी इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह साफ सफाई के नाम पर मात्र अपनी औपचारिकता पूर्ण करते हुये देखी जा रही है। इस सच्चाई के कारण इस समय नगर सांईखेड़ा के अनेक वार्ड जहां भयानक गंदगी से जूझते हुये देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर सड़को पर कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने की स्थिति में लोगों का अपने घरों तक पहुंच पाना भी मुश्किल हो चुका है।

खबर संक्षेप

अवैध रूप से मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ ले जाते दो पकड़े गये पिकअप धान

अनूपपुर। पुलिस चौकी वेंकटनगर एवं मंडी विभाग की संयुक्त कार्यवाही मे दो पिकअप धान मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ जाती हुई पकड़ी गई जिसमें चौकी प्रभारी अमर लाल यादव, उप निरीक्षक सुरेश कुमार अहिरवार, अरविंद राय, आरक्षक विजय टाटू, सोनू परते का विशेष योगदान रहा।

पत्नी एवं परिजनों ने किया वनरक्षक पति पर हमला

अनूपपुर। जैतहरी थाना अंतर्गत ग्राम खोडरी में वनरक्षक के पद पर पदस्थ विनय कुमार अहिरवार पर तलाक मामले में पति एवं पत्नी के साथ पत्नी के परिजनों के बीच शनिवार की दोपहर बातचीत दौरान वाद-विवाद एवं मारपीट की घटना में पति विनय कुमार अहिरवार एवं पुत्र को चोटे आई जिसकी रिपोर्ट थाना जैतहरी में पीडित विनय कुमार अहिरवार द्वारा किया गया। पीड़ति विनय कुमार अहिरवार ने बताया कि उसका विवाह 2015 में बहेराबांध थाना बिजुरी की हेमकुमारी के साथ हुआ रहा जो अक्सर वाद-विवाद करने के साथ अपने मायके चली गई। हम दोनों के मध्य एक बालिका एवं एक बालक है नौ वर्ष के बालक विपुल कुमार उनके साथ पद स्थापना स्थल वनचौकी खोडरी में रहकर वेंकटनगर में पढ़ता है। 4 जनवरी की दोपहर पत्नी हेमकुमारी अपने माता-पिता एवं अन्य लोगों के साथ 5-6 बड़ी गाड़ियों में अचानक उनके शासकीय आवास में पहुंचकर दरवाजा खुलवाकर वाद-विवाद के साथ मारपीट करने लगे जिससे जान बचाकर वह अपने पुत्र के साथ तालाब की ओर गया जहां पीछे से दौड़कर पुत्र के साथ भी मारपीट की गई। पति-पत्नी का कोतमा न्यायालय में तलाक का प्रकरण विचाराधीन है जिसके कारण पत्नी एवं उनके परिजनों द्वारा यह घटना कारित की गई रिपोर्ट पर थाना जैतहरी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

नवागत सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंद्र परासी का निरीक्षण

अनूपपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,परासी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. वर्मा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, एएनसी क्लीनिक, डिलीवरी वार्ड एवं फार्मेसी का गहन अवलोकन किया गया। निक्षय अभियान के अंतर्गत क्षय रोग (टीबी) के रोकथाम और उपचार से संबंधित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान डॉ. आरके वर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समस्त विभागों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि किसी भी मरीज को स्वास्थ्य सेवाओं के दौरान कोई परेशानी न हो और सभी को समय पर उपचार मिले। इसके अलावा अस्पताल स्टाफ को निर्देशित किया गया कि वे मरीजों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास करें। निरीक्षण के अंत में डॉ. आरके वर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने समस्त टीम के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी उच्च स्तर की सेवाएं प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की। इस दौरान संस्था के समस्त कर्मचारी समय पर निर्धारित गणवेश में उपस्थित रहे।

नसबंदी के लिए महिलाओं को सुबह 10 बजे बुलाया, सर्जन रात 9 बजे बाद पहुंचे

11 घंटे तक महिलाएं ठंड में ठिठुरते हुए करती रहीं सर्जन का इंतजार

शहपुरा

नसबंदी कराने जिला डिंडोरी के शहपुरा अस्पताल पहुंची महिलाओं को ऑपरेशन के दर्द से पहले लापरवाही का दर्द झेलना पड़ा। 11 घंटे तक महिलाएं फर्श पर बैठकर डॉक्टर का इंतजार करती रही। साथ आए परिजन भी ठिठुरती ठंड में यहां-वहां बैठकर टाइम पास करते नजर आए। व्यवस्थाओं को लेकर महिलाओं सहित परिजनों में नाराजगी देखी गई। 4 जनवरी 2025 दिन शनिवार को डिंडोरी जिला के शहपुरा अस्पताल में नसबंदी शिविर लगाया गया था। ऑपरेशन के लिए महिलाओं को सुबह 10 बजे बुला लिया गया, लेकिन ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर रात 9 बजे तक नहीं पहुंचे। लिहाजा सभी को परेशानी उठाना पड़ी। महिला व उनके साथ आए परिजन के बैठने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं थी।

लिहाजा सभी बरामदे के ठंडे फर्श पर

ही बैठे रहे। करीब 11 घंटे तक महिलाएं यहीं बैठी रही लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने उनके बैठने के लिए दरी तक का इंतजाम नहीं किया। अस्पताल प्रबंधन में महिला एवं परिजनों के लिए अलाउ की व्यवस्था भी नहीं किया गया था मीडिया की टीम पहुंचने के बाद डॉक्टर ने तत्काल एक दो जगह अलाव की तत्काल व्यवस्था की । रात्रि 11बजे बाद डॉ. सर्जन पहुंचे पश्चात ऑपरेशन शुरू हुए। करीब 58 महिलाओं ने नसबंदी के लिए पंजीयन कराया था।नसबंदी कराने आई महिलाएं घंटों जमीन पर बैठकर बारी का इंतजार करती रही।

11 घंटे तक महिलाओं के साथ परिजन भी हुए परेशान, बैठने की भी नहीं थी व्यवस्था

टेकलाल झारिया ग्राम लालपुर और बिजौरी से आए बलराम झारिया ने बताया कि अपने पत्नी को शिविर में लेकर शहपुरा अस्पताल सुबह 10 बजे से बैठे हैं।बैठने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी ।जब खड़े-खड़े पैर थक गए तो ठंडे फर्श पर ही बैठना पड़ा और इतनी कड़ाके की ठंड में अस्पताल प्रबंधन के द्वारा अलाव की भी व्यवस्था नहीं किया गया है, परिजन यहां की व्यवस्था से नाराज नजर आए।

कागजों में सामग्री खरीदी और कार्य कर लाखों रूपये का बंदरबाट, जिम्मेदार बने मूकदर्शक

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खाम्ही का मामला

15 वें वित्त एवं 5वें वित्त की राशि नियम विरूद्ध तरीके से किया व्यय

डिंडौरी न्यूज। समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खाम्ही में सरपंच, सचिव ने निर्माण कार्यों के नाम पर कागजों में खेल करते हुए लाखों रुपए का बंदरबांट कर लिया है वहीं पंचायतों के विकास कार्यों में निगरानी रखने वाले तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारी मूक दर्शकों बनकर सरकारी खजाने की बर्बादी का तमाशा देख रहे हैं। का है, ग्राम पंचायत खाम्ही में विकास के नाम पर खानापूर्ति कर राशियों को धड़ल्ले से बंदरबाट किया जा रहा है। ग्राम पंचायत में 15वे, 5 वे, वित आयोग की राशियों को बंदरबाट कर लिया गया है, निर्माण कार्य महज कागजों में कराते हुए बिना धरातल में काम किए ही राशि आहरित कर किया गया है।

पंचायतों की गोलमाल में अधिकारी भी हिस्सेदार...?

पंचायतों के भ्रष्टाचार के अनेकों शिकायत प्रति दिन सक्षम अधिकारियों के कार्यालयों में दिए जाते हैं परंतु जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर मामलों पर पर्दा डाल दिया जाता है,जिससे ये साबित होता है कि ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार में न केवल सरपंच, सचिव बल्कि बड़े अधिकारी भी मलाई में हिस्सेदार होते हैं , ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम पंचायत खाम्ही

इन निर्माण कार्यों के नाम पर किया लाखों रुपए का गोलमाल

ग्राम पंचायत में मुख्य मार्ग से जागेश्वरी के घर की ओर सीसी रोड निर्माण कार्य के नाम से राशि आहरण किए 4 वर्ष हो रहा हैं,निर्माण कार्य आज भी अधूरा पड़ा है , जिसका आज तक पूर्ण निर्माण कार्य बिना कराए ही पूर्ण रूप से राशि आहरित कर ली गई है, ऐसा ही मुख्य मार्ग से पंचायत भवन के सामने की ओर सीसी रोड निर्माण कार्य के नाम से राशि आहरित कर ली गई हैं ,और निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, इसी प्रकार नाली निर्माण कार्य छतपरा के नाम से राशि पूर्ण रूप आहरित कर दिया गया है,और निर्माण कार्य शुरू तक नहीं कराया गया है, कचड़ा जलाने वाले मशीन क्रय करने के नाम पर 3 लाख आहरित की गई हैं,जबकि क्रय ही नहीं किया गया है। पंचायत राज संचनालय द्वारा 15वे वित्त की राशि उपयोग हेतु जारी गाइड लाइन में वर्षो से रंगमंच निर्माण कार्य में रोक लगा दिया गया था, परंतु ग्राम पंचायत खाम्ही में दिशा निर्देशो को दर किनार कर तीन रंगमंच निर्माण कार्य प्रदर्शित कर राशि आहरित की गई है,निर्माण कार्य भले ही धरातल पर अधूरे पड़े हो, पर कागजों में 6 माह पूर्व ही पूर्ण राशि आहरण राशि सप्लायर को भुगतान किया गया है, ग्रामीणों की मानें तो एक ठेकेदार के द्वारा मनमर्जी ग्राम पंचायत की राशियों की होली खेली जा रहा है,विभागीय अधिकारी सहायक यंत्री, उपयंत्री, मुख्यकार्य पालन अधिकारी मूक दर्शक बनकर भ्रष्टाचार का तमाशा देख रहे हैं, अब देखना यह है कि आखिर कब जिम्मेदार अधिकारियों की कुंभकर्णी नींद खुलेगी और क्या कार्यवाही की जाती हैं।

जनकल्याण शिविर में शामिल हुए विधायक ओम प्रकाश धुर्वे

डिंडौरी न्यूज

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जनशिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है।इसी क्रम में आज रविवार को शहपुरा जनपद पंचायत के तहत ग्राम पंचायत कंचनपुर,बांकी, करोंदी, बरगांव, बिलगांव एवं ढोढा में शिविरों का आयोजन किया गया। शहपुरा क्लस्टर में आयोजित जनशिविर शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के मुख्य आथित्य में संपन्न हुए। विधायक ओम प्रकाश धुर्वे ने कन्या पूजन कर जनशिविर का शुभारम्भ किया, इस दौरान क्षेत्रीय कलाकारों ने गुदुम बाजा की प्रस्तुति दी । विधायक श्री धुर्वे ने कंचनपुर रैय्यत में खेल मैदान एवं सीसी रोड कार्य का लोकार्पण एवं एक अन्य सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस दौरान विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन आपके द्वार तक आपकी समस्याओं का निराकरण करने पहुंच रही है। ग्राम पंचायत कंचनपुर में खेल मैदान का लोकार्पण करते हुए विधायक श्री धुर्वे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र से खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेल मैदान आवश्यक है। विधायक धुर्वे ने ग्राम पंचायत बांकी में 14.48 लाख रूपये लागत से मनरेगा से निर्माण किये जा रहे चेकडैम और रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चेकडैम निर्माण से ग्राम में जल संरचना में सुधार आएगा, साथ ही रंगमंच का निर्माण क्षेत्र की लोकसंस्कृति को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इस अवसर पर वृद्धा पेंशन, मातृत्व वंदना योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, सम्बल कार्ड, प्रसूति सहायता आदि योजनाओं के सम्बन्ध में ग्रामीणों से चर्चा की और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष शहपुरा श्रीमती प्रियंका आर्मो,श्री बाबा ठाकुर,श्री घनश्याम कछवाहा, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत प्रशासन गाँव की ओर की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से जिले में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों सहित नगर परिषद क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिले में अभियान के तहत 392 शिविर आयोजित होने है, जोकि प्रतिदिन जनप्रतिनिधि और अधिकारीगणों के द्वारा संपन्न कराए जा रहे है। जनशिविर के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और राज्य व केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 जनवरी तक जिले के सभी सात विकासखंडों और दो नगर परिषद से कुल 15868 आवेदन शिविरों के माध्यम से प्राप्त किये जा चुके है। जिनमें से 13580 आवेदन स्वीकार किये गए है। डिंडोरी शहरी क्षेत्र में आयोजित शिविरों में कुल 667 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 630 आवेदन स्वीकृत किये गए। इसी प्रकार डिंडोरी ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 1363 आवेदन में से 1126 ,शहपुरा ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 2724 आवेदन में से 2578 , समनापुर में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 2235 आवेदन में से 1871 , बजाग में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 2041 आवेदन में से 1694 , मेहंदवानी में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 1592 आवेदन में से 985, अमरपुर में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 4411 आवेदन में से 4272,करंजिया में आयोजित शिविरों में कुल प्राप्त 740 आवेदन में से 392 आवेदनों को स्वीकार किया गया। शेष लंबित आवेदनों पर आवश्यक निराकरण की कार्यवाही की जा रही है।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब की कार्यवाही

डिंडौरी न्यूज। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन व विक्रय के रोकथाम के लिए 04 जनवरी 2025 को आबकारी विभाग वृत्त डिंडोरी में अवैध शराब रखने व बिक्री संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर दबिश कर कार्यवाही की गई। जिसमें आरोपी पतिराम ग्राम निगवानी से 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, उर्मिला बाई ग्राम निगवानी 5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त हुई, जिसकी कुल मात्रा 09 लीटर व कुल अनुमानित कीमत 1800/- रुपए है। उक्त सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) "क" तहत पंजीबद्ध किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री एम.आर. उइके के मार्गदर्शन में आबकारी उप निरीक्षक श्री सम्हर सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक श्री राम भरोस ठाकुर, श्री छिद्दी लाल झारिया, श्री मनीष उईके, श्रीमती करिश्मा सलामे व नगर सैनिक तोक सिंह मरावी द्वारा किया गया।

तेलंगाना में रिंकी परस्ते करेंगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व

68वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन हैण्डवाल की राष्ट्रीय स्पर्धा महबूबनगर तेलंगाना में होंगी

डिंडौरी न्यूज। शालेय खेल कैलेंडर 2024-25 के अनुसार जिले में शालेय खेलकूद की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। 68 वीं शालेय राष्ट्रीय हैण्डवाल 17वर्ष की स्पर्धा महबूबनगर,तेलंगाना में दिनांक 10से 14जनवरी 2025 तक आयोजित की जा रही है,। जिसमें जिले का खिलाड़ी छात्रा रिंकी परस्ते सीएम राइज विद्यालय शहपुरा की छात्रा मध्य प्रदेश के दल से प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लेंगी ।जिला क्रीड़ा अधिकारी जनजाति कार्य विभाग

श्री पी एस राजपूत ने बताया कि खिलाड़ी छात्रा ने विद्यालय, विकासखंड ,जिला, संभाग, विभागीय राज्य एवं शालेय राज्य स्तर तक कुल सात स्तरों की प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। जिसमें उनके खेल कौशल और दक्षता को देखते हुए विधा विशेषज्ञों ने चयनित किया है। 03 से 07 जनवरी 2025 तक शिवपुरी में विशेष कोचिंग प्राप्त करने के बाद मध्य प्रदेश का दल राष्ट्रीय स्पर्धा तेलंगाना के लिए रवाना होगा। हैण्डवाल कोच श्रीमती रमा साहू के कुशल प्रशिक्षण, कठिन मेहनत एवं मार्गदर्शन से विद्यालय ,जिला एवं विभाग को गौरवान्वित करते हुए मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी की उपलब्धि प्राप्त होने पर डा संतोष शुक्ला सहायक आयुक्त जनजाति कार्य , प्राचार्य यशवंत साहू, डॉ दिनेश श्रीवास्तव, प्रभु दयाल पटेल, संदीप सोनी, प्रशिक्षक अनिल लोधी ,परवेज खान, ,नवीन खरगाल, जागेश्वर नंदा, अमर साहू , विद्यालय स्टाफ एवं खेल प्रेमियो ने हर्ष व्यक्त करते हुई छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वर्दीधारी ही उड़ा रहे अभियान की धज्जियां

सड़कों से पूरी तरह गायब हुआ हेलमेट अभियान

सरकारी विभागों में भी हेलमेट अभियान का असर नहीं

वर्दीधारी ही उड़ा रहे अभियान की धज्जियां

जिले के लोग हेलमेट सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि ट्रैफिक पुलिस के डर से पहनते हैं। पुलिस का डंडा जैसे ही चलना बंद हो जाता है, लोगों के सिर से हेलमेट गायब हो जाता है। दूसरी ओर हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद जिले की पुलिस इस मामले मे तेजी नही ला पाई है, जिस कारण जिले मे हेलमेट अभियान सिर्फ दिखावा तक ही सीमित होकर रह गया है।

अनूपपुर।

दो पहिया वाहन का सफर सुरक्षित बनाने के लिए हेलमेट अनिवार्य किया गया है। पहले पुलिस ने वाहनों की जांच अभियान चलाया अब कई दूसरी गतिविधियों से भी हेलमेट को जोड़कर इसे वाहन चालकों की आदत में शुमार करने की कोशिश की गई जिसमे निर्देश दिया गया कि पेट्रोल पंप में दो पहिया वाहन चालकों को तभी सेवा मिलेगी जबकि हेलमेट पहने हो। यह सूचना पेट्रोल पंप बाहर लग तो गई लेकिन इसका पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है। दरअसल हाई कोर्ट के निर्देश पर हेलमेट को लेकर अभियान शुरू हुआ। पुलिस ने जगह-जगह नाकेबंदी कर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को पकड़ा उन्हें समझाइश दी। फिर चालानी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। पेट्रोल पंप में हेलमेट को अनिवार्य बनाया गया, बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं भरने की सूचना के बावजूद कई ग्राहक हेलमेट के बगैर ही पंप में पेट्रोल डलवाने पहुंच रहे हैं जिन्हें पेट्रोल भी दिया जा रहा है।

खुद की जान से खिलवाड़

शहर में पुलिस ने जगह-जगह बैरीकेट्स लगाकर दो पहिया वाहनों की जांच का अभियान चलाया। महिलाओं और युवतियों को भी पुलिस ने रोककर चालान बनाया। हर किसी को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया वही लोग जानते हैं कि बिना हेलमेट के वाहन चलाना करना खतरों से कम नही है। बावजूद इसके हेलमेट पर हीला हवाली कर रहे है जो एक तरह से खुद के जान से खिलवाड़ करने की तरह है।

सरकारी विभागों में हेलमेट अभियान का असर नहीं

सरकारी विभागों में भी हेलमेट अभियान का असर नहीं नजर आ रहा है। विभागों मे कर्मचारी दो पहिया वाहन लेकर पहुंचते हैं लेकिन हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं जबकि कुछ विभागों ने बाकायदा कर्मियों को हेलमेट पहनकर आने के निर्देश दिए हुए है। इसके बावजूद इस आदेश की नाफरमानी की जा रही है। हेलमेट को लेकर किसी तरह की रोकटोक नहीं की जा रही है। यातायात विभाग ने कई अन्य विभागों से भी कर्मचारियों को नियमों का पालन करवाने के लिए कहा है। इस संबंध में जिले के कलेक्टर ने पूर्व में निर्देश दिया था कि सभी विभागों के प्रमुख अपने-अपने अधीनस्थों को दोपहिया वाहन से आने वाले कर्मियों को हेलमेट लगाकर आना सुनिश्चित करें।

सड़कों पर भी नहीं दिख रहा असर

बाइक सवारों को हेलमेट पहनाने के लिए पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान का असर सड़कों पर दिखाई नहीं पड़ रहा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 6 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

युवक ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस युवक द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छोटेलाल पिता भूरेलाल यादव उम्र 28 वर्ष निवासी चारगांव बगलई थाना चीचली द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना मे महिला घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस विपतपुरा के पास हुई सड़क दुर्घटना मे महिला घायल हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कमला पति दीनानाथ मेहरा उम्र 45 वर्ष निवासी विपतपुरा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

नर्मदा परिक्रमा वासियों का आगमन आज

नरसिंहपुर। बीते दिनों बस द्वारा नर्मदा परिक्रमा पर गए श्रद्धालुओं का आज आगमन हो रहा है। ज्ञात हो कि समाजसेवी मनीष जाट द्वारा जिले के श्रद्धालुओं बस द्वारा नर्मदा परिक्रमा पर भेजा गया था उनकी वापसी आज सोमवार को हो रही है। श्री जाट एवं उनके साथी सहयोगियों श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जावेगा। स्वागत रैली गुरुद्वारा चौराहा से दोपहर 2 बजे से नरसिंह मंदिर तक निकलेगी जावेगी तथा श्रद्धालु आगे गंतव्य के लिए रवाना होगें।

रामाश्रम आध्यात्मिक सत्संग सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्थानीय सदर मढ़िया तुलसी मानस भवन मे रामाश्रम सत्संग आयोजित किया गया। सत्संग में आचार्यगण धीरज सिंह ठाकुर साहब सागर, डॉ. के .पी. सिंह साहब चित्रकूट से, भानु प्रकाश दुबे देवरी, सागर एवं सारणी बैतूल द्वारा प्रवचन दिये गये। आध्यात्मिक सत्संग की मनुष्य जीवन में महिमा तथा जीवन में गुरु का प्रभाव कलयुग के प्रताप से बचने के लिए अमृत तुल्य है। उक्त सत्संग के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्थानीय सत्संगी भाई राम नारायण पटेल, इंजी. जी. पी. अठ्या, राजेश पटवारी, एन. के. कोरी साहब, जी. एस. ठाकुर, प्रदीप गढ़ेवाल, अशोक नेमा, प्रीतम कोष्टी आदि समस्त सत्संगी भाइयों का सफलतम प्रयास रहा ।

7 साल फरार वारंटी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस थाना ठेमी द्वारा अपराध क्रमांक 364/2017 धारा 379 भादवि के आरोपी नेतराम पिता रामस्वरूप प्रजापति निवासी करकबेल जो कि 7 वर्ष से फरार चल रहा था जिसका न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था। उक्त फरार स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी हेतु जिसकी गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया था जिसके द्वारा मुखबिर के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित कर एवं तकनीकी माध्यमों से पतासाजी की गयी जिस पर जानकारी प्राप्त हुयी कि उक्त आरोपी ग्राम गोटेगांव आया हुआ है सूचना प्राप्त होते ही गोटेगांव में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु घेराबंदी की गई जिस पर आरोपी को गिरफ्त में लेने में सफलता प्राप्त हुयी है। चोरी के मामले में 7 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी में थाना प्रभारी रत्नाकर हिवें, सउनि राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक अवधेश पटेल, प्रधान आरक्षक अरुण रजक, आरक्षक विजय, आरक्षक शिवदीप, आरक्षक चंद्रप्रताप की मुख्य भूमिका रही है।

निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण संबंधी बैठक आज

नरसिंहपुर। निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 निर्वाचक नामावली अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया जायेगा। इस संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक 6 जनवरी को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी।

शिकायत के नाम पर अटकी कार्रवाई

झोलाछाप डॉक्टर पर पुलिस व प्रशासन मेहरबान

पंजीकृत नहीं है क्लीनिक धड़ल्ले से हो रहा उपचार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शासन द्वारा लाखों रूपये खर्च कर लोगों को बेहतर उपचार देने के लिये प्रतिबद्ध है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों द्वारा लापरवाही के कारण लोगों को बेहतर उपचार नही मिल पाता है और मजबूरी में लोग झोलाछाप डाक्टरों के पास जान को मजबूर हो जाते है। ऐसा ही मामला चिनकी उमरिया से सामने आया जहां पर झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दिये गये उपचार के मरीज की मौत हो गई। पीड़ति के भाई द्वारा जिसकी शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी व जिला प्रशासन से की गई। परन्तु दो माह बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नही की गई। वही झोलाछाप डाक्टर द्वारा धड़ल्ले से अपनी क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है।

मामला इस प्रकार

बीते दो माह पूर्व परिजनों द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम दी गई शिकायत में बताया गया कि ग्राम चिनकी उमरिया में झोलाछाप डॉक्टर द्वारा गलत उपचार किया गया जिससे उनके भाई की मृत्यु हो गई। परिजनों की शिकायत के अनुसार 3 भाईयों को सर्दी बुखार था जिस पर गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर को दिखाया था जिसके द्वारा गलत उपचार दिया गया। जिसमे एक भाई की मौत हो गई एवं दूसरे की हालत बिगड़ने पर जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया। जहां पर उपचार के बाद उसकी तबीयत में सुधार आया था। शिकायत के बाद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वही पुलिस द्वारा मामले को जांच के नाम पर लटकाया जा रहा है।

पंजीकृत नहीं है क्लीनिक

परिजनों द्वारा दी गई शिकायत पर कार्रवाई करते हुये स्वास्थ्य विभाग से डाक्टर रंजन विश्वास उर्फ बंटी बंगाली की क्लीनिक के संबंध मे जानकारी मांगी गई थी। जिस पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिये गये प्रतिवेदन मे उल्लेख किया गया है कि उक्त डॉक्टर का क्लीनिक पंजीकृत नहीं है तथा बताये गये दस्तावेज एलोपैथिक उपचार के लिये वैध नहीं है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र दिये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कार्रवाई में लेटलतीफी की जा रही है। जिससे प्रतीत हो रहा है कि पुलिस डॉक्टर को बचाने की जुगत मे तो नही लगी हुई। उक्त संबंध मे पुलिस द्वारा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

लोगों की जान से खिलवाड़

स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन को दिये गये प्रतिवेदन मे उल्लेख किया गया है कि डाक्टर बंटी बंगाली द्वारा जो दस्तावेज पंजीकरण हेतु प्रेषित किये गये थे वह उपयुक्त नही थे जिस कारण पंजीयन नही किया गया। सोचनीय विषय है कि यदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र दिये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कार्रवाई मे देर क्यों लगाई जा रही है। परिजनों द्वारा दिये गये आवेदन में बताया गया है कि डॉक्टर बंटी के पास उपचार करने के लिए कोई वैद्य लाइसेंस नहीं है तथा वह नशे में भी रहता है। जिससे कई लोगों को गलत उपचार भी देता है। जो क्षेत्रवासियों के जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जाए जिससे अप्रशिक्षित लोगों द्वारा उपचार ना किया जा सके। वहीं सूत्रों की माने तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय मे उक्त नाम से कोई भी क्लीनिक या आयुर्वेद संस्थान पंजीबद्ध नही है।

इनका कहना है

उक्त संबंध में जानकारी स्पष्ट नहीं है कब और किसके द्वारा शिकायत की गई है जानकारी लेता हूं जांच प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई की जावेगी।

गौरव चाटे, थाना प्रभारी कोतवाली

मेरे पास जो भी दस्तावेज थे वह प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को दिखा दिया गया। जो कार्रवाई प्रशासन द्वारा की जाएगी उसका पालन किया जावेगा।

रंजन विश्वास
झोलाछाप डॉक्टर

जीवन में धैर्य व सहनशीलता आवश्यक : माताजी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर कंदेली में श्री 105 आर्यिका दृढ़मति माता जी 11 आर्यिका सहित ससंघ विराजमान है, आर्यिका दृढ़मति माता जी ने अपने प्रवचन में गुरुवर की महिमा बताते हुए बतलाया की भगवान की जब 66 दिन बाद वाणी खिरी थी तब उस सभा में गौतम गण जैसे विद्वान मौजूद थे भगवान की वाणी को धीरे विद्वान जनों ने आचार्य गण, मुनियों, आर्यिका, नियमों का पालन करने वाले विद्वान, वृत्तिजन ने भगवान की वाणी को सरल भाषा में अनुवादित करके जैसे के तैसे प्रवचन के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, इसी तारतम्यता में आचार्य गुरुवर विद्या सागर जी द्वारा रचित प्रसिद्ध काव्य मूक माटी के अदान से अनमोल पात्र माटी का मोल बताया कि कैसे दलित, पतित, त्रिष्कृत माटी को शिल्पी पैरों से रौंदकर, पीटकर, चक्र में घुमा घुमाकर, तपा कर, अदना सी मिट्टी को भगवान के समक्ष रखे जाने वाला मंगल कलश, भगवान का जल अभिषेक करने हेतु मंगल कलश बनने के उच्च स्तर तक एक शिल्पी की मेहनत व सहयोग से तथा स्वयं पतित मिट्टी के द्वारा समस्त कष्टों को जैसे, रौंदना ,पिटना, तपना जैसे कष्टों को धैर्य पूर्वक सहन करने के कारण पतित मिट्टी, शिल्पी के हाथों के सहयोग से शुभ मंगल कलश के रूप में तैयार होकर, भगवान के श्री चरणों में शीश पर अभिषेक करने वाले मंगल कलश का स्थान मिला। इससे यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में धैर्य व सहन शीलता होने पर सही दिशा-निर्देश देने वाले का सहयोग मिल जायें तो पतित अदना सी मिट्टी जैसे भी भगवान के श्री चरणों का मंगल कलश बन सकते है। सभीजनों को मिल-जुलकर, सहयोगात्मक भाव से रहने की शिक्षा दी, कहा कि जीवन में खिचडी दिमाग में नहीं पकाना चाहिए, खिचडी हमेशा बर्तन में पकाना चाहिए, जिसे सद्भाव पूर्वक मरीज को खिलाकर उसे स्वास्थ्य किया जा सकें, जो वस्तु जहा पकाने की है वहीं पकायें दिमाग में किसी भी तरह की खिचडी न पकायें दिमाग को अच्छाई के कार्य में लोक कल्याणी कार्य में लगाये और स्वस्थ रखें सदैव हिल-मिल कर रहें। उक्त मौके पर बड़ी संख्या में श्रावक मौजूद रहे।

जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर सम्पन्न

17 आवेदनों का त्वरित निराकरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशानुसार जिले में शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर 2024 से 4 जनवरी 2025 की अवधि में स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत सेवानिवृत्त शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों की विभिन्न लंबित समस्याओं का त्वरित निराकरण के संबंध में जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर का आयोजन डाइट नरसिंहपुर में आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार ने बताया कि शिविर में लगभग 39 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें स्थानीय स्तर पर 17 आवेदन का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदन निराकरण प्रक्रिया में है। शिविर के सफल आयोजन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर ने अधिकारी- कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गये थे। उन्होंने शिविर के नोडल अधिकारी सहायक संचालक एएस मसराम, क्रमोन्नति समयमान वेतनमान का लाभ देने संबंधी प्रकरण के लिए प्राचार्य गोविन्द प्रसाद बडकुर, वेतन निर्धारण से संबंधित प्रकरण के लिए प्राचार्य डॉ. एसके पाल, विभिन्न प्रकार के अवकाश स्वीकृति के लंबित प्रकरण के लिए प्राचार्य मो. इकबाल कुरैशी, लंबित सेवानिवृत्त स्वत्वों के निराकरण संबंधी प्रकरण के लिए प्राचार्य डॉ. बीएस शर्मा, आगामी 6 माह सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय लोक सेवकों के पेंशन प्रकरण तैयार करने संबंधी प्राचार्य संदीप नेमा, अन्य स्थापना संबंधी कार्य के लिए प्राचार्य प्रीति राज वर्मा, समस्त शिविर के आयोजन में सहायक ग्रेड 3 राहुल साहू, समस्त पोर्टल संबंधी कार्य के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर जगदीश मेहरा और सहायक के लिए भृत्य रोहित कहार को दायित्व सौंपे गये थे।

मुआर घाट में की मां नर्मदा तट की साफ सफाई

गोटेगांव

समीपवर्ती मां नर्मदा तट मुआर घाट में अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के तत्वाधान मे नए वर्ष के उपलक्ष में मां नर्मदा तट मुवार घाट मे अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के सदस्यों ने सफाई अभियान चला कर मां नर्मदा तट को स्वच्छता प्रदान की एवं वहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया वहीं लोगों को समझाया कि यहां वहां कचरा ना फैलाया जाए बल्कि कचरे को एकत्रित जगह पर कचरा रखें जिससे कि तट पर गंदगी ना फैले एवं स्वच्छता का वातावरण बना रहे अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा उपाध्यक्ष रामनाथ कटारिया, कन्हैया लाल डागोर, जिला उपाध्यक्ष सूरज पारोची, जिला कार्यकारिणी जगदीश मट्टू एवं जिला कार्यवाहक अध्यक्ष महेश मट्टू कार्यकारिणी सदस्य झाऊलाल धौलपुरी, नवीन, करन, दिनेश, रोहन शिवा, दीपक, प्रेमनारायण मास्टर वैदिक मट्टू व अन्य लोग उपस्थित रहे।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा जारी

गोटेगांव

स्थानीय पानी टंकी के पास बोस बार्ड किसानी मोहल्ला गोटेगांव में पं अभिमन्यु कृष्ण भगवताचार्य आचार्य महाराज वृंदावन धाम के द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन गत दिनांक 2 जनवरी से अनवरत रूप से जारी हैश्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 1:00 से 5:00 बजे तक कथा वाचक भागवताचार्य महाराज द्वारा की जा रही है वही रविवार को श्री कृष्णा श्री राम जन्मोत्सव की कथा एवं ब्रज चौरासी कोस की यात्रा का वर्णन अजामिल की कथा प्रहलाद चरित्र हिरणकश्यप का वध भगवान का वामन अवतार विषयों पर कथा सुनाई 9 जनवरी 2025 को पूर्णाहुति एवं भंडारा कार्यक्रम संपन्न होगाइस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।भागवत कथा समिति के सदस्य प्रमुख रूप से हरिराम पटेल गुमान सिंह पटेल,गंगू पटेल,सौरभ पटेल,अभिषेक,यशवंत ,सम्मान पटेल,ओंकार श्याम पटेल विष्णु तुलसी महाराज,केके श्रीवास्तव रामजी तिवारी देवी सिंह गुड्डू पटेल महेश पटेल आदि सदस्यों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

प्राचीन मंदिरों का नहीं हो पा रहा उचित संरक्षण

तेंदूखेड़ा। भगवान ब्रह्मा की तपस्थली और पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट अनेकों ऐतिहासिक धार्मिक महत्व के स्थलों को संजोए हुए हैं। लेकिन इनके उचित रखरखाव और इन स्थलों को विकसित करने में शासन-प्रशासन ने अभी तक कोई भी उचित रूचि नहीं ली है। बरमान में मराठा कालीन गरूण स्तंभ सहित कई प्राचीन मंदिरों का बेहतर संरक्षण नहीं हो रहा है। प्रदेश शासन भी यहां पवित्र नगरी घोषित करने के 11 वर्षों के बाद भी कोई सार्थक कार्य नहीं करा सका है। जिससे यह क्षेत्र पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित हो सके। जिले के प्रमुख तीर्थ क्षेत्र बरमान में नर्मदा के दोनों तटों पर कई ऐतिहासिक स्थल हैं। यहां घाट से लेकर मंदिरों प्रतिमाओं का अपना अलग महत्व और गौरव है। लेकिन इन स्थलों को प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचाने दिलाने कोई सार्थक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं । स्थलों के संरक्षण के नाम पर पुरात्व विभाग ने केवल बोर्ड लगाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है।

भगवान विष्णु को समर्पित है स्तंभ- ब्रम्हांड घाट बरमान में पुरातन धार्मिक गतिविधियों के कई साक्ष्य हैं। यहां स्थित गरुण स्तंभ पर सुदर्शन चक्र की उपस्थिति इसे भगवान विष्णु को समर्पित बताती है। काले और हरे रंग के प्रस्तर निर्मित चौकोर स्तंभ में भगवान विष्णु के दशावतारों का अंकन है। यह स्तंभ 17वीं-18वीं शताब्दी का है जब मराठा साम्राज्य अपने चरम पर था।

अप डाउन की वैशाखी पर टिके नगर के शासकीय कार्यालय, अप डाउन के कारण सरकारी काम में लेटलतीफी

गोटेगांव- नगर में जितने भी मध्यप्रदेश शासन के शासकीय या अर्ध शासकीय कार्यालय और केंद्र के कार्यालय जैसे बैंक,रेल,और स्वास्थ्य कार्यालय और अन्य कार्यालय हैं जो कर्मचारियों के अप डाउन पर चल रहे हैं जिससे शासकीय कार्य तो बाधित होते ही हैं।लोगों के कार्य सही समय पर नहीं हो पाते और फिर शाम को कर्मचारियों को घर जल्दी भागने की पड़ती है।फिर भी शासन मौन रहता है जिससे नगर में चर्चा का विषय बनता जा रहा है सबसे ज्यादा अप डाउन करने वाले विभागों में सबसे पहला विभाग शिक्षा विभाग है जहां पर अधिकांश शिक्षक अप डाउन की वैशाखी के जरिए शासकीय सेवाओं को नैया पार कर रहे हैं।जिससे शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों पर भी असर पड़ता दिखाई देता है।ऐसे ही पंचायत विभाग, राजस्व विभाग,बिजली विभाग,बैंक,और भी कई विभाग हैं जो अप डाउन के सहारे चल रहे हैं फिर भी विभागों के बॉस कोई ध्यान ही नहीं देते।इसी क्रम में नगर का स्वास्थ्य विभाग,उच्च शिक्षा विभाग जहां पर अधिकारी खुद रोजाना अप डाउन करते हैं।उन्हे कार्य प्रभावित होने की चिंता तनिक भी नहीं है।इनमे प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग,पुलिस विभाग,राजस्व विभाग,महिला बाल विकास विभाग,जनपद पंचायत विभाग,कृषि विभाग,जल संसाधन विभाग,आदि में भी पुरुष और महिला कर्मचारी अप डाउन का सहारा ले रहे हैं यह आज की नई बात नहीं है कई वर्षों हो गए अप डाउन करते हुए और ये समाचार भी कई बार अखबारों की सुर्खियां बना।अप डाउन करने वाले कर्मचारी घर पहुंचने की जल्दी में रहते हैं। जिससे शासकीय काम प्रभावित होते हैं,उसके बावजूद भी जिला शासन प्रशासन के कानों में जूं नहीं रेंगती।अच्छा हो जो तत्काल प्रभाव से सभी अप डाउन पर अविलंब रोक लगे जिससे जनता के कार्यों में आसानी हो।